चरण छः, कार्यक्रम- 04

एक साप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.)

आकलन परीक्षण : अभिकल्पन एवं निर्माण

(Design & Develop: Assessment Tests)

04 से 08 जुलाई 2022 तक

संक्षिप्त प्रतिवेदन

भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की बहुआयामी परियोजना **पंडित मदन मोहन मालवीय राष्ट्रीय शिक्षक एवं शिक्षण मिशन** के अन्तर्गत **श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली** (केन्द्रीय विश्वविद्यालय) में स्थापित **शिक्षण अधिगम केन्द्र** द्वारा छठे चरण के कार्यक्रमों में **' भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान: राष्ट्रीय शिक्षा नीति २०२० के सन्दर्भ में'** विषय पर तृतीय एक साप्ताहिक ऑनलाइन राष्ट्रीय संकाय विकास कार्यक्रम (एफ.डी.पी.) का आयोजन दिनांक 13 से 17 जून 2022 तक किया गया। इस कार्यक्रम क मुख्य उद्देश्य भारतीय दर्शन (न्याय, सांख्य, योग, वेदान्त आदि) एवं उनके शैक्षिक निहितार्थ के सम्प्रत्ययात्मक अवबोध का विकास करना, भारतीय परिप्रेक्ष्य में शैक्षिक मनोविज्ञान के विभिन्न सम्प्रत्ययों (चेतना, बुद्धि, व्यक्तित्व, मूल्य, मानसिक स्वास्थ्य आदि) में अन्तर्दृष्टि का विकास करना, समग्र विकास हेतु भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान का प्रयोग एवं अनुप्रयोग करना, भारतीय दर्शन एवं मनोविज्ञान आधारित नवाचारिक अभ्यासों को ढूँढना आदि रहे। ऑनलाइन कार्यक्रम का संचालन गूगल मीट के मंच पर किया गया। उद्घाटन सत्र में शिक्षण अधिगम केन्द्र की निदेशक **प्रो. अमिता पाण्डेय भारद्वाज** महोदया द्वारा स्वागत भाषण एवं कार्यक्रम सन्दर्भ प्रस्तुत किये गय। कार्यक्रम 28 सत्रों में सम्पन्न हुआ, जिनमें उद्घाटन सत्र, उद्बोधन सत्र, 14 प्रदर्शन आधारित तकनीकी सत्र, 05 प्रश्नोत्तर सत्र, 05 स्वाध्यास सत्र, ऑनलाइन आकलन, प्रतिपुष्टि, अनुभव साझा सत्र एवं समापन सत्र सम्मिलित हैं। इस कार्यक्रम में 79 प्रतिभागियों ने पंजीकरण किया एवं सभी ने सफलतापूर्वक प्रतिभाग किया। 79 प्रतिभागियों में से 67 भारत के 18 राज्यों एवं 12 केन्द्र शासित प्रदेशों से प्रतिभागी रहे। 18 राज्यों में से आंध्रप्रदेश से 03, असम से 01, बिहार से 05, गुजरात से 01, हरियाणा से 11, झारखण्ड से 02, कर्नाटक से 02, मध्य प्रदेश से 01, महाराष्ट्र से 07, ओडिशा से 01, पंजाब से 01, राजस्थान से 04, तमिलनाडु से 05, तेलंगाना से 01, त्रिपुरा से 01, उत्तराखण्ड से 07, उत्तर प्रदेश से 10, पश्चिम बंगाल से 04 तथा 01 केन्द्र शासित प्रदेश दिल्ली से 12 प्रतिभागी रहे। अभिकल्पित तकनीकी सत्रों का संचालन शोध के क्षेत्र में निष्णात देश के प्रतिष्ठित संस्थानों से **१२ विशेषज्ञों** के कुशल मार्गदर्शन में किया गया। इन सत्रों में मुख्य विषय के रूप में एन.ई.पी.-2020: भारतीय ज्ञान प्रणाली के परिप्रेक्ष्य में दर्शन एवं मनोविज्ञान, स्मृति एवं एकाग्रता में नाद योग की भूमिका, व्यक्तित्व एवं अभिवृत्ति: भारतीय ज्ञान प्रणाली के सन्दर्भ में, वैदिक मनोविज्ञान का परिचय, भारतीय दर्शन में ज्ञान-मीमांसा, शिक्षा का मनोवैज्ञानिक दर्शन एवं एन.ई.पी.-2020, समग्र विकास हेतु अष्टांग योग: एन.ई.पी.-2020, एन.ई.पी.-2020 पर दार्शनिक चिन्तन, भारतीय मनोविज्ञान में संज्ञान: एन.ई.पी.-2020, योग एवं एन.ई.पी.-2020, समग्र विकास में नवाचारिक अभ्यास, भारतीय दृष्टि में मानव व्यक्तित्व, मानव मन एवं व्यवहार अवबोध: उपनिषदों से अंतर्दृष्टि और भारतीय मनोदर्शन रहे। प्रतिभागियों को तकनीकी सत्रों में पठित बिन्दुओं के आधार पर 14 चयनाधारित प्रदत्त कार्य दिये गये। ऑनलाइन प्रशासित आकलन परीक्षण में 57% प्रतिभागियों ने 50% से अधिक अंक प्राप्त किये। अंत में विशेषज्ञों के प्रस्तुत व्याख्यानों की गुणवत्ता के बारे में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि चार श्रेणियों यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम एवं संतोषजनक** में प्राप्त की गई और उनका औसत 68%, 22%, 09% एवं 01% क्रमशः श्रेणियों में प्राप्त किया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम के संदर्भ में ऑनलाइन प्रतिपुष्टि 10 बिंदुओं पर पाँच श्रेणियों में ली गई यथा- **उत्कृष्ट, अति उत्तम, उत्तम संतोषजनक एवं असंतोषजनक**। इन 10 बिन्दुओं की श्रेणियों में प्राप्त औसत प्रतिशत में 67% उत्कृष्ट, 25% अति उत्तम, 07% उत्तम, 01% संतोषजनक एवं 00% असंतोषजनक प्राप्त हुआ। समापन सत्र में निदेशक द्वारा गणमान्य अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया तत्पश्चात् **प्रो. देव दत्त शर्मा** (कुलपति, सरदार पटेल विश्वविद्यालय, मण्डी, हिमाचल प्रदेश) महोदय का मुख्य अतिथि सम्बोधन एवं अध्यक्षीय भाषण **प्रो. मुरलीमनोहर पाठक** (कुलपति, श्रीला.ब.शा.रा.सं.वि.वि. नई दिल्ली) महोदय द्वारा दिया गया। धन्यवाद ज्ञापन एवं शान्तिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम समापनोपरान्त सफल प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र एवं ई-चित्रावली मेल द्वारा प्रेषित किये गए।